अमर उजाला जनपद बरेली दिनांक 24.07.2025

एडीजी, डीआईजी और एसएसपी ने किया रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण

बरेली। एडीजी रमित शर्मा, डीआईजी अजय साहनी और एसएसपी अनुराग आर्य ने बुधवार को पुलिस रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने यहां व्यवस्थाओं को देखा और महिला रिक्रूटों के सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने रिक्रूट आरक्षियों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताया।

अधिकारियों ने कहा कि पुलिस सेवा सिर्फ एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और समर्पण भी है। आप सभी भावी पुलिसकर्मी हैं, जो देश और समाज की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने महिला रिक्रूटों को शारीरिक दक्षता, मानसिक सतर्कता और तकनीकी ज्ञान का महत्व बताते हुए आधुनिक पुलिसिंग की चुनौतियों के लिए तैयार रहने की सलाह दी।

प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नवीनतम तकनीकों और पुलिसिंग के आधुनिक तौर-तरीकों को शामिल करने और रिक्रूटों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही। संवाद

दैनिक जागरण जनपद बरेली दिनांक 24.07.2025

पुलिस सेवा नौकरी ही नहीं, समाज के प्रति जिम्मेदारी भी

जासं, बरेली : एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने पुलिस लाइंस स्थित रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्थाओं, गुणवत्ता, और रिक्रूट महिला आरक्षियों की प्रशिक्षण तैयारियों का गहनता से जांच की। इसके बाद उन्होंने रिक्रूट महिला आरक्षियों के साथ सैनिक सम्मेलन भी किया। जिसमें उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी भी है।

सैनिक सम्मेलन में एडीजी ने महिला आरक्षियों को प्रेरित करते हुए उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी और समर्पण है। कहा कि सभी भावी पुलिस कर्मी हैं, जो देश और समाज की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनका अनुशासन, समर्पण और नैतिकता ही उनको एक सच्चा पुलिस अधिकारी बनाएगी।

रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण करते एडीजी रमित शर्मा, साथ में डीआइजी अजय कुमार सहानी व एसएसपी अनुराग आर्य ● सौ पुलिस

उन्होंने महिला रिक्रूट्स को शारीरिक दक्षता, मानसिक सतर्कता और तकनीकी ज्ञान के महत्व पर जोर देते हुए आधुनिक पुलिसिंग की चुनौतियों के लिए तैयार रहने की सलाह दी। सैनिक सम्मेलन में रिक्रूट महिला आरक्षियों ने अपने प्रशिक्षण अनुभव और चुनौतियों को साझा किया जिसका एडीजी ने त्वरित समाधान के आदेश दिए। उनके साथ इस मौके पर डीआइजी अजय कुमार सहानी, एसएसपी अनुराग आर्य, नोडल अधिकारी अंशिका वर्मा, आरटीसी प्रभारी आशुतोष शिवम आदि रहे।

हिन्दुस्तान जनपद बरेली दिनांक 24.07.2025

रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण

बरेली। एडीजी रमित शर्मा, आईजी अजय साहनी और एसएसपी अनुराग आर्य ने बुधवार को पुलिस रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्था, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, रिक्रूट महिला आरक्षियों की प्रशिक्षण की तैयारियों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रशिक्षण संबंधी उपकरणों, आवासीय सुविधाओं और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की समीक्षा भी की। महिला आरक्षियों के साथ सैनिक सम्मेलन किया। जरूरी दिशा निर्देश दिया।

अमृत विचार जनपद बरेली दिनांक 24.07.2025

नसीहत | गोरखपुर में मचे बवाल के बाद महिला रिक्रूट आरक्षियों के साथ किया सैनिक सम्मेलन

महिला पुलिस प्रशिक्षुओं को पढ़ाया कर्तव्य का पाठ

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : गोरखपुर में महिला पुलिस प्रशिक्षुओं के साथ अभद्रता की खबरों को लेकर मचे हड़कंप के बीच बुधवार को एडीजी रमित शर्मा, डीआईजी अजय कुमार साहनी और एसएसपी अनुराग आर्य ने पुलिस लाइन में स्थित पुलिस रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया। इसके अलावा महिला रिक्रूट आरक्षियों के साथ सैनिक सम्मेलन किया गया। अधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों को गोष्ठी में जरूरी निर्देश दिए।

सैनिक सम्मेलन में प्रशिक्षणरत महिला आरक्षियों को प्रेरित करते हुए उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी और समर्पण है। सभी लोग भावी पुलिस कर्मी हैं, जो देश और समाज की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने महिला रिक्रूट्स को शारीरिक दक्षता, मानसिक सतर्कता और तकनीकी ज्ञान के महत्व पर जोर देते हुए आधुनिक पुलिसिंग की चुनौतियों के लिए तैयार रहने की सलाह दी। रिक्रूट महिला आरक्षियों ने अपने प्रशिक्षण अनुभव और चुनौतियों को साझा किया। प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नवीनतम तकनीकों और पुलिसिंग के आधुनिक तरीकों को शामिल करने और रिक्रूट्स के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

महिला आरक्षियों को संबोधित करते एसएसपी अनुराग आर्य। ● अमृत विचार

- **प्रशिक्षण में नई तकनीकों को शामिल करने और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही**

बरेली की आवाज जनपद बरेली दिनांक 24.07.2025

पुलिस रिकूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण, महिला आरक्षियों के साथ हुआ सैनिक सम्मेलन

बरेली की आवाज

बरेली। अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन, पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली द्वारा आज रिजर्व पुलिस लाइन स्थित पुलिस रिकूट ट्रेनिंग सेंटर , बरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्थाओं, उपकरणों, आवासीय सुविधाओं और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की गहन समीक्षा की। निरीक्षण उपरांत महिला रिकूट आरक्षियों के साथ सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों ने प्रशिक्षणरत महिला कर्मियों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित किया। एडीजी ने कहा, 'पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण है। अनुशासन, नैतिकता और तकनीकी दक्षता ही एक सच्चे पुलिस अधिकारी की पहचान है।' सम्मेलन में महिला आरक्षियों ने प्रशिक्षण अनुभव और चुनौतियों को साझा किया। अधिकारियों ने उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए।इसके पश्चात रिकूट ट्रेनिंग सेंटर से जुड़े अधिकारियों के साथ एक गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नवीन तकनीकों को अपनाने, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने और आधुनिक पुलिसिंग की आवश्यकताओं को प्रशिक्षण में शामिल करने पर बल दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एवं रिकूट ट्रेनिंग सेंटर सत्र निदेशक सुश्री अंशिका वर्मा, क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम एवं रिकूट ट्रेनिंग सेंटर प्रभारी आशुतोष शिवम, प्रतिसार निरीक्षक बरेली सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा जनपद बरेली दिनांक 24.07.2025

एडीजी-डीआईजी ने प्रशिक्षकों को दिया अनुशासित प्रशिक्षण का मंत्र

एडीजी रमित शर्मा, डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी व एसएसपी अनुराग आर्य।

बरेली (एसएनबी)। पुलिस लाइन सभागार में बुधवार को इंडोर/आउटडोर प्रशिक्षण दे रहे प्रशिक्षकों की गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता एडीजी बरेली जोन ने की, जिसमें डीआईजी अजय कुमार साहनी व एसएसपी अनुराग आर्य भी मौजूद रहे। एडीजी ने गोष्ठी में प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान उच्च कोटि के अनुशासन, नैतिक मूल्यों और व्यवहारिक दक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

एडीजी महोदय ने कहा कि प्रशिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, इसलिए उन्हें स्वयं अनुशासित रहते हुए प्रशिक्षणार्थियों को अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। वही डीआईजी अजय कुमार साहनी व एसएसपी अनुराग आर्य ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर देते हुए तकनीकी दक्षता और व्यवहार कुशलता के संतुलन की आवश्यकता बताई।।इस अवसर पर पुलिस प्रशिक्षण की रूपरेखा, चुनौतियों और समाधान पर भी विचार-विमर्श हुआ।

टेलीग्राम संवाद जनपद बरेली दिनांक 24.07.2025

टेलीग्राम संवाद दैनिक | विविध | बरेली, गुरुवार, 24 जुलाई 2025 | 5

पुलिस वर्दी पहनना रोज़गार नहीं: एडीजी

- महिला आरक्षियों से सीधा संवाद में एडीजी बोले- समाज और संविधान के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी

रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर में अफसरों ने किया निरीक्षण

टेलीग्राम संवाद

बरेली। अपर पुलिस महानिदेशक (बरेली जोन), रमित शर्मा ने पुलिस उप महानिरीक्षक (बरेली परिक्षेत्र) अजय कुमार साहनी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (बरेली) अनुराग आर्य साथ रिजर्व पुलिस लाइन स्थित पुलिस रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर में निरीक्षण किया। प्रशिक्षण केंद्र की भौतिक व्यवस्थाओं, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, संसाधनों और आरक्षियों के लिए आवासीय सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। इस मौके पर उन्होंने वर्दी और पुलिसिंग महत्व समझाया।

निरीक्षण उपरांत एक सैनिक सम्मेलन किया। जिसमें महिला रिक्रूट आरक्षियों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए उनके अनुभवों, चुनौतियों और जमीनी हकीकतों को जाना गया। अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा ने सम्मेलन में कहा पुलिस वर्दी पहनना सिर्फ रोजगार नहीं, समाज और संविधान के प्रति जिम्मेदारी है। अनुशासन, ईमानदारी और दक्षता – यही एक सच्चे पुलिसकर्मी की असली पहचान है। सम्मेलन में कई महिला आरक्षियों ने अपनी समस्याओं और प्रशिक्षण से जुड़े अनुभवों को खुलकर साझा किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी बातों को गंभीरता से लेते हुए, समयबद्ध समाधान के निर्देश जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर ही दिए।

इसके बाद एक विशेष गोष्ठी आयोजित हुई जिसमें प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी, व्यावहारिक और समकालीन बनाने के लिए कुछ रणनीतिक सुझाव रखे गए। बैठक में यह तय किया गया कि प्रशिक्षण में तकनीकी दक्षता, साइबर क्राइम, मानसिक स्वास्थ्य और फिटनेस पर विशेष जोर दिया जाएगा ताकि आने वाली पीढ़ी की पुलिस, नई चुनौतियों से पूरी मजबूती से निपट सके।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी व सत्र निदेशक सुश्री अंशिका वर्मा, CO नगर प्रथम व ट्रेनिंग प्रभारी आशुतोष शिवम, प्रतिसार निरीक्षक बरेली समेत कई उच्चाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने महिला प्रशिक्षणार्थियों की हौसला अफजाई कर उन्हें भविष्य के लिए तैयार रहने का संदेश दिया।

वतन की धारा जनपद बरेली दिनांक 24.07.2025

पुलिस के आला अधिकारियों ने आयोजित किया सैनिक सम्मेलन

वतन की धारा, संवाददाता बरेली। रिजर्व पुलिस लाइन में एडीजी, डीआईजी, एसएसपी, एएसपी, सीओ ने पुलिस रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया और सनिक सम्मेलन का आयोजन किया पुलिस बैरिक, शौचालय, भोजनालय के साथ निरीक्षण के साथ-साथ पाठ्य क्रम संबंधी विषय पर चर्चा की और प्रशिक्षण के उपकरण के बारे में समीक्षा की महिला सम्मेलन में उन्होंने कहा कि आपकीयह नौकरी केवल नौकरी नहीं है बल्कि जनता की सेवा है आपको विषम परि स्थितियों में डटकर मुकाबला करना है और जनता की सेवा करनी है कुछ महिला रिक्रूट अधिकारियों को अपनी समस्याओं से अवगत कराया जिसका अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई कर समाधान करने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नवीनतम तकनीकों और पुलिसिंग के आधुनिक तौर-तरीकों को शामिल करने और रिक्रूट्स के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस मौके पर एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा रिजर्व पुलिस लाइन के प्रति सार निरीक्षक और अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

युवा हस्ताक्षर जनपद बरेली दिनांक 24.07.2025

पुलिस रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण कर महिला आरक्षियों से संवाद

युवा हस्ताक्षर रिपोर्टर

एडीजी जोन, डीआईजी और एसएसपी ने किया प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का मूल्यांकन, दी प्रशिक्षण को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश

बरेली। पुलिसिंग की गुणवत्ता बढ़ाने और रिक्रूट आरक्षियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बरेली के उच्च पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित पुलिस रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर (आरटीसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन, पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली ने केंद्र की व्यवस्थाओं, संसाधनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने महिला रिक्रूट आरक्षियों की शारीरिक, मानसिक और तकनीकी तैयारियों का जायजा लिया। प्रशिक्षण केंद्र में उपलब्ध संसाधनों, पाठ्यक्रम की गुणवत्ता और प्रशिक्षुओं के रहने की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इसके बाद महिला रिक्रूट आरक्षियों के साथ एक सैनिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशिक्षणरत रिक्रूट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि पुलिस सेवा एक समर्पण आधारित जिम्मेदारी है। अनुशासन, समर्पण और नैतिक मूल्यों के साथ कार्य करना ही एक आदर्श पुलिस अधिकारी की पहचान होती है। अधिकारियों ने आधुनिक पुलिसिंग की चुनौतियों से निपटने के लिए तकनीकी दक्षता और मानसिक सजगता पर विशेष बल दिया। महिला रिक्रूट्स ने भी अपने प्रशिक्षण अनुभव और चुनौतियों को अधिकारियों के समक्ष साझा किया, जिन पर गंभीरता से विचार कर संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए गए। तदुपरांत पुलिस लाइन स्थित सभागार में आरटीसी से जुड़े अधिकारियों के साथ एक गोष्ठी आयोजित कर प्रशिक्षण को और प्रभावी बनाने हेतु आधुनिक तकनीकों के उपयोग, शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य और अनुशासन पर आधारित दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुश्री अंशिका वर्मा (सत्र निदेशक/नोडल अधिकारी), क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम आशुतोष शिवम (आरटीसी प्रभारी), प्रतिसार निरीक्षक बरेली सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।